



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 207]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 19, 1976/ज्येष्ठ 29, 1898

No. 207]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 19, 1976/JYAISTHA 29, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रम संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 19th June 1976

G.S.R. 415(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (18th Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
2. In the Central Excise Rules, 1944, in rule 174, after the third proviso, the following further proviso shall be inserted, namely:—

“Provided also that where an applicant does not hold the written permission of the Textile Commissioner for the installation and working of powerlooms for the manufacture of cotton fabrics, the Central Board of Excise and Customs may, by order and subject to such terms and conditions as may be imposed in such Order, permit the grant or the renewal of licence to the applicant for the manufacture of such fabrics”.

[No. 204/76]

N. C. JAIN, Under Secy.

राजस्व और बैंककारी विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 19 जून, 1976

सा० का० मि० 415(घ).—केन्द्रीय उत्पादक शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1941 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनानी है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) नियम, 1976 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में, नियम 1974 में, तृतीय परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित और परन्तुक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह भी कि, जहां किसी आवेदक के पास, सूती कपड़ों के विनिर्माण के लिए विद्युत् करघों के प्रतिष्ठापन और कार्यकरण के लिए आयुक्त की लिखित अनुज्ञा नहीं है, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, आदेश द्वारा और ऐसे निबंधनों और शर्तों के प्रतीत रहने हुए, जो ऐसे आदेश में अधिरोपित किए जाएं, आवेदक को ऐसे कपड़ों के विनिर्माण के लिए अनुज्ञप्ति की मंजूरी या उन के नवीकरण की भी अनुज्ञा दे सकेगा ।”

[मं० 201/76]

एन० पी० जैन, प्रवर अधिकारी ।